कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर हुआ महंगा

- दिल्ली में 25 तो मुंबई में 26 रुपए हुआ इजाफा

नई दिल्ली ।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत एक बार फिर से बढ़ा दी हैं। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर दिल्ली में 25 रुपये तो मुंबई में 26 रुपये महंगा हुआ है। आईओसीएल की वेबसाइट पर कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के नए भाव जारी कर दिए गए हैं, जो 1 मार्च से लागू हो गए हैं। दिल्ली में अब कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 1795 रुपये में मिलेगा, जबकि मुंबई में कीमत 1749 रुपये होगी। वहीं कोलकाता में दाम 1911 रुपये हो गया है। राहत की बात है कि घरेलू सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आखिरी बार घरेलू सिलेंडर के भाव अगस्त में बदले गए थे। आखिरी बार 30 अगस्त 2023 को इनकी कीमतों में 200 रुपये की कटौती की गई थी। एलपीजी कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में यह बढ़ोतरी उस वक्त हुई है जब सरकार ने घरेलू प्राकृतिक गैस के दाम बढ़ाने का फैसला किया। घरेलू प्राकृतिक गैस के दाम बढ़ाकर 8.17 डॉलर प्रति मिलियन मेट्रिक ब्रिटिशन थर्मल यूनिट्स कर दिया गया है, जो इसके पिछले महीने 7.85 डॉलर प्रति मेट्रिक ब्रिटिशन थर्मल यूनिट्स था। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के साथ-साथ तेल कंपनियों ने जेट फ्यूल की कीमतों में भी बढ़ोतरी की है। लगातार चार बार कीमतों में कटौती के बाद यह इजाफा किया है। हवाई ईंधन की बढ़ी हुई नई दरें भी शुक्रवार से लागू हो गई हैं।

फरवरी में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि पांच महीनों के उच्च स्तर पर

- पीएमआई फरवरी में बढ़कर 56.9 हो गया जबकि जनवरी में यह 56.5 था

मुंबई । कारखाना उत्पादन और बिक्री में तेजी की वजह से फरवरी में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जिसमें घरेलू और बाहरी मांगों की अहम भूमिका रही। शुक्रवार को जारी मासिक सर्वेक्षण से देश का विनिर्माण परिदृश्य बेहतर होने की तस्वीर सामने आई। यह सितंबर, 2023 के बाद विनिर्माण क्षेत्र की सबसे अच्छी स्थिति की ओर इशारा करता है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में बढ़कर 56.9 हो गया जबकि जनवरी में यह 56.5 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दिखाता है। इस सर्वेक्षण के मुताबिक फरवरी महीने में उत्पादन पांच महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ा और पिछले सितंबर के बाद से बिक्री में सबसे तेज वृद्धि हुई और निर्यात ऑर्डर में भी 21 महीनों का सबसे मजबूत विस्तार हुआ। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि पीएमआई आंकड़ों से संकेत मिलता है कि घरेलू और बाहरी दोनों मांग से समर्थित उत्पादन वृद्धि मजबूत बनी हुई है। वृद्धि की रफ्तार तेज होने के बावजूद भारत में विनिर्माण क्षेत्र के रोजगार में थोड़ा बदलाव आया है। सर्वेक्षण के मुताबिक वस्तुओं के उत्पादकों ने बताया कि काम पर रखे गए कर्मचारियों की संख्या वर्तमान जरूरतों के लिए पर्याप्त थी। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर क्रय लागत मुद्रास्फीति 43 महीने के निचले स्तर पर आ गई, जिसकी वजह से बिक्री शुल्क कुछ हद तक बढ़ गया। कच्चे माल की लागत में साढ़े तीन साल में सबसे धीमी वृद्धि देखी गई। इससे विनिर्माण कंपनियों के मार्जिन में सुधार हुआ। मजबूत घरेलू मांग के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोप, इंडोनेशिया, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात से मांग वृद्धि होने से नए निर्यात ऑर्डर लगभग दो वर्षों में सबसे तेजी से बढ़े। सर्वेक्षण के मुताबिक विनिर्माण कंपनियों ने अधिक उत्पादन जरूरतों, बिक्री में निरंतर वृद्धि और स्टॉक बनाने के लिए खरीद बढ़ाई। मांग बढ़ने के बीच विनिर्माताओं ने आगे भी तेजी का अनुमान जताया है। उन्होंने कहा कि मजबूत मांग और लाभ मार्जिन में सुधार से उत्साहित विनिर्माताओं का भविष्य की व्यावसायिक स्थितियों के बारे में आशावादी दृष्टिकोण है।

इस माह में क्रेटा एन-लाइन को लॉन्च करेगी हुंडई

7-सीटर कार में मिलने वाला है ये धांसू अपडेट

नई दिल्ली ।

नई 2024 हुंडई अल्काजार के आने से पहले, कंपनी मार्च 2024 में क्रेटा एन-लाइन को लॉन्च करेगी। इसके बाहरी हिस्से में कुछ मामूली बदलाव मिलने की उम्मीद है। नई हुंडई अल्काजार में अपडेटेड क्रेटा के समान कुछ नए डिजाइन एलिमेंट्स दिए जाने की उम्मीद है, जिसमें एक नए डिजाइन का फ्रंट ग्रिल, रीडिजाइन फ्रंट और रियर बंपर, अपडेटेड एलईडी हेडलैम्प्स और डीआरएल मिल सकते हैं।नई अल्काजार एसयूवी में खास स्टाइलिंग और नए फीचर्स की एक लंबी रेंज को शामिल किया जाएगा, हालांकि इसके मौजूदा इंजन कॉन्फिगरेशन को बरकरार रखा जाएगा। इसके अलावा अल्काजार में नए डिजाइन वाले अलॉय व्हील्स दिए जा सकते हैं। साइड प्रोफाइल में ज्यादा बदलाव होने की संभावना नहीं है। इस एसयूवी में एक नया टेललाइट सेटअप दिया जा सकता है। अल्काजार फेसलिफ्ट में क्रेटा वाला नया डैशबोर्ड शामिल किया जा सकता है, साथ ही सीट अपहोल्स्ट्री और इंटीरियर थीम के लिए भी बड़े अपडेट मिलने की संभावना है। एसयूवी में 10.25-इंच का डुअल स्क्रीन सेटअप, डुअल-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, वेंटिलेटेड सीट्स और एक पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स देखने को मिल सकते हैं, जो क्रेटा में देखने को नहीं मिलता है। नई हुंडई अल्काजार फेसलिफ्ट में 2.0 लीटर, 4-सिलेंडर पेट्रोल और 1.5 लीटर, 4-सिलेंडर टर्बो डीजल इंजन को बरकरार रखा जाएगा, जो कि क्रमशः 159बीएचपी/192 एनएम और 115बीएचपी/ 250 एनएम का आऊटपुट जेनरेट करता है। इसमें पहले की ही 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमेटिक गियरबॉक्स की पेशकश की जाती रहेगी।

इस एसयूवी में तीन ड्राइव मोड, कंफर्ट, ईको और स्पोर्ट के साथ-साथ तीन ट्रैक्शन कंट्रोल मोड - सैंड, आइस और मड मिलते रहेंगे।खबरों की माने तो न्यू अल्काजार में प्री-फेसलिफ्ट वेरिएंट के समान अन्य फीचर्स को बरकरार रखते हुए अडास तकनीक को भी शामिल किया जा सकता है। एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (अडास) रडार बेस्ड सेफ्टी सिस्टम है जो सामने खतरा होने पर कार में इमरजेंसी ब्रेक लगाने में सहायता करता है।

यूपी सरकार 2,275 प्रति क्विंटल किसानों से गेंहूं खरीदेगी

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने यह ऐलान किया है कि गेहूं की खरीद पर एमएसपी को 150 रुपये प्रति क्विंटर बढ़ाया जा रहा है। अब यूपी सरकार 2,275 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से किसानों से गेंहूं की खरीद करेगी। यह नई दरें एक मार्च से लागू हो गई हैं। बताया गया कि योगी सरकार द्वारा इस एमएसपी पर गेहूं की खरीद एक मार्च से 15 जून के बीच रहेगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स हैंडल के माध्यम से किसानों को यह खुशखबरी दी। सीएम ने लिखा, 'प्रिय अन्नदाता किसान बंधुओ! उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2024-25 में गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,275 प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। गेहूं का मूल्य भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से 48 घंटे के अंदर सीधे आप लोगों के आधार लिंक खाते में करने की व्यवस्था की गई है। मुझे प्रसन्नता है कि बटाईदार किसान भी इस वर्ष पंजीकरण कराकर अपने गेहूं की बिक्री कर सकेंगे। 1 मार्च से 15 जून, 2024 तक गेहूं खरीद के दौरान आप लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, यह हमारी प्राथमिक वरीयता है। आप सभी की समृद्धि और खुशहाली डबल इंजन सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है, आप सभी को बधाई!

उत्पादन में कमी से हल्दी के भाव 16 फीसदी चढ़े

नई दिल्ली ।

उत्पादन में गिरावट का असर हल्दी की कीमतों पर दिख रहा है। बीते कुछ दिनों से इसके भाव चढ़ रहे हैं। जानकारों के मुताबिक आने वाले दिनों में हल्दी की कीमतों में और तेजी आ सकती है। इसके भाव 18,000 रुपये तक जा सकते हैं। बीते कुछ दिनों से हल्दी के भाव लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले 15 दिन में हल्दी के वायदा भाव करीब 2,400 रुपये बढ़ चुके हैं। कमोडिटी एक्सचेंज नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) पर 14 फरवरी को हल्दी का अप्रैल अनुबंध 14,970 रुपये के भाव पर बंद हुआ था, जो अब 17,334 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर दिन का उच्च स्तर छू लिया। इस तरह बीते 15 दिन में हल्दी करीब 16 फीसदी महंगी हुई है। आगे इसके भाव 18,000 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर को छू सकते हैं। बाजार विश्लेषकों मुताबिक इस साल हल्दी के उत्पादन में बड़ी गिरावट आने की संभावना है। साथ ही पुराना स्टॉक भी कमजोर है। मौसम प्रतिकूल रहने से अच्छी गुणवत्ता वाली हल्दी की इस साल कमी रह सकती है। इस साल हल्दी का उत्पादन 50 से 55 लाख बोरी होने का अनुमान है। जो पिछले साल के उत्पादन 80 से 85 लाख बोरी (60 किलो) से काफी कम है। इन दिनों मंडियों में हल्दी की आवक कम हो रही है। फरवरी में अब तक मंडियों में करीब 12,270 टन हल्दी की आवक हुई है, जो पिछले साल की समान अवधि में हुई 35,150 टन आवक की तुलना में ढाई गुना से भी कम है।

रूस ने पेट्रोल और गैसोलीन निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

मुंबई ।

रूस ने पेट्रोल और गैसोलीन पर अगले छह महीने के लिए निर्यात पर प्रे तिबंध लगा दिया है। जानकारी के मुताबिक रूस में पेट्रोलियम पदार्थों की कमी से यह निर्णय लिया गया है। इससे आने वाले दिनों में भारत में पेट्रोल की कीमतों में इजाफा हो सकता है। दरअसल, भारत बड़ी मात्रा में रूस से कम कीमतों पर कच्चे तेल का आयात करता है। उपभोक्ताओं और किसानों की गैसोलीन की बढ़ती मांग की भरपाई करने और रिफाइनरियों के मेंटेनेंस के लिए ये फैसला लिया गया है। रूस के उप प्रधान मंत्री एलेक्जेंडर नोवाक के एक प्रवक्ता ने इस बात की जानकारी दी। ऊंची घरेलू कीमतों और कमी से निपटने के लिए रूस ने पिछले साल सितंबर और नवंबर के बीच भी इसी तरह का प्रतिबंध लगाया था। जिसमें केवल चार पूर्व-सोवियत राज्यों बेलारूस, कजाकिस्तान, आर्मेनिया और किर्गिस्तान को छूट दी गई थी। इस बार ये प्रतिबंध यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के सदस्य देशों पर लागू नहीं होगा।

पेटीएम और पेटीएम पेमेंट बैंक के बीच खत्म होंगे कई एग्रीमेंट

मुंबई । पेटीएम और पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के बीच कई एग्रीमेंट्स खत्म हो सकते हैं। पेटीएम के बोर्ड ने अपनी एसोसिएट एंटिटी, पीपीबीएल के साथ कई इंटर-कंपनी एग्रीमेंट्स को खत्म करने की मंजूरी दे दी है। पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने 1 मार्च को इस बारे में स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया। कंपनी ने कहा कि इसके अलावा पीपीबीएल के शेयरधारक पीपीबीएल की गवर्नेंस को सपोर्ट करने के लिए शेयरहोल्डर्स एग्रीमेंट (एसएचए) को सरल बनाने पर सहमत हुए हैं। अपने स्टॉक एक्सचेंज अपडेट में वन 97 कम्युनिकेशंस ने कहा कि बोर्ड ने 1 मार्च 2024 को समझौतों को समाप्त करने और शेयर होल्डर्स एग्रीमेंट में संशोधन को मंजूरी दे दी। इसके अलावा पेटीएम और पीपीबीएल ने पेटीएम और इसकी ग्रुप एंटिटीज के बीच कई इंटर-कंपनी समझौतों को खत्म करने पर सहमति जताई है। इससे पहले पेटीएम ने घोषणा की थी कि वह अन्य बैंकों के साथ नई साझेदारी करेगी और अपने ग्राहकों व मर्चेंट्स को निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के लिए उपाय करेगी। यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ ली गई नियामकीय कार्यवाही के चलते आया है।

बिटकॉइन लगभग 64,000 डॉलर, तोड़ सकता है पुराने रिकॉर्ड

मुंबई । बबजरि विशेषज्ञों का मानना है कि आशावाद के कारण बिटकॉइन आधा होने से पहले लगभग 69,000 डॉलर के अपने सार्वजे निक उच्च स्तर को भी पार कर सकता है। एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के आसपास बढ़ती रुचि और आगामी पड़ाव के कारण पिछले सप्ताह बिटकॉइन में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 में अब तक मार्केट कैप के हिसाब से सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। टोकन वर्तमान में कुल प्राइस में 53 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ क्रिप्टो बाजार पर हावी है। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस उछाल का श्रेय अमेरिका में दस स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ को दिया जाता है, जिन्होंने खुदरा निवेशकों के क्रिप्टो रैली में कूदने के कारण 7.7 बिलियन डॉलर के ट्रेडिंग वॉल्यूम को पार करके एक नया दैनिक रिकॉर्ड दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि ब्लैकरॉक के बिटकॉइन ईटीएफ ने पिछले दिन 3.3 बिलियन डॉलर का कारोबार किया, जो इसके पिछले वॉल्यूम रिकॉर्ड से दोगुना है। बिटकॉइन के आधे होने की आशंका के कारण भी टोकन की कीमतों में उछाल आया है। अप्रैल में हॉल्टिंग होने वाली है और इससे ट्रेडिंग के लिए बिटकॉइन की संख्या कम हो जाएगी, जिससे कीमत में वृद्धि होगी। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि आशावाद के कारण बिटकॉइन में तेजी रुकने से से पहले लगभग 69,000 डॉलर के अपने ऑल टाइम हाई लेवल को भी पार कर सकता है।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 1245 , निफ्टी 355 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी उछाल रहा। इससे बाजार अपने सर्वोच्च स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के शानदार आर्थिक आंकड़े जारी होने के कारण आई है जिससे बाजार को बल मिला। आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। बाजार 100 अंक से अधिक की बढ़त के साथ ही 72,606.31 पर खुला और कारोबार के दौरान 73,819.21 अंक के शीर्ष स्तर पर पहुंचा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई 1245.05 अंक करीब 1.72 फीसदी बढ़कर 73,745 पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की तीस कंपनियों में से 26 के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 355.95 अंक तकरीबन 1.62 फीसदी बढ़कर 22,338.75 अंक के सर्वोच्च स्तर पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील का शेयर 6.46 फीसदी ऊपर आया जबकि जेएसडब्ल्यू स्टील में 4.46 फीसदी की तेजी रही। लार्सन एंड टुब्रो, टाइटन, मारुति, इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा मोटर्स के शेयर भी लाभ के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर बाजार के सकारात्मक रुख के बाद भी एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस और टेक महिंद्रा के शेयरों में गिरावट रही।

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शानदार बढ़त दर्ज की गयी। आंकड़ों के अनुसार, 2023 के अंतिम तीन महीनों में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर 8.4 फीसदी ऊपर आयी है। जो डेढ़ साल में सबसे तेज़ गति है। वित्त वर्ष 2023-24 की दिसंबर तिमाही में देश की जीडीपी 8.4 फीसदी की तेज रफ्तार के साथ ऊपर आयी है। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से मार्च सीरीज की शुरुआत पर भारतीय बाजार की तेज शुरुआत हुई है।

सुबह की शुरुओ त में सेंसेक्स 400 अंक की बढ़त पर कारोबार कर रहा था। व्यापक बाजार में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.7 फीसदी बढ़ा, जबकि स्मॉलकैप 1 फीसदी बढ़ा। भारत की तीसरी तिमाही की जीडीपी में उम्मीद से अधिक 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस शनिवार बाजार में कारोबार होगा। एक्सचेंजों ने जानकारी दी है कि डिजास्टर रिकवरी साइट पर इंट्राडे स्विच-ओवर के लिए ये खास सेशन रखा गया है। कल 2 मार्च को शेयर बाजार का पहला सेशन सुबह 9.15 से 10 बजे तक होगा। दूसरा सेशन 11.30 से 12.30 बजे तक होगा।

घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा, डीजल पर घटा

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने शुक्रवार से घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर 3,300 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 4,600 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। एक आधिकारिक अधिसूचना के मुताबिक घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाया गया है लेकिन डीजल के निर्यात पर लगने वाले कर को 1.50 रुपये प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया गया है। इसके अलावा पेट्रोल और विमान ईंधन (एटीएफ) पर लगने वाले कर को पहले की तरह शून्य रखा गया है। नई दरें एक मार्च से प्रभावी हो गई हैं। देश में पहली बार एक जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया गया था। इसके साथ ही भारत उन देशों में शामिल हो गया था जो ऊर्जा कंपनियों को होने वाले असाधारण मुनाफे पर कर लगाते हैं। पिछले दो सप्ताह में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े इन कर दरों की समीक्षा की जाती है।

टोयोटा ने पिछले माह सबसे ज्यादा वाहन बेचे

नई दिल्ली । वाहन विनिर्माता टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फरवरी में 25,220 इकाइयों की बिक्री के साथ अब तक की अपनी सबसे अच्छी मासिक थोक बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने शुक्रवार को फरवरी के थोक बिक्री आंकड़े जारी करते हुए कहा कि उसकी आपूर्ति पिछले महीने 61 प्रतिशत बढ़कर 25,220 इकाई हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में उसने 15,685 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू बिक्री 23,300 इकाई रही जबकि उसने 1,920 इकाइयों का निर्यात किया। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम विभिन्न क्षेत्रों से अच्छी ग्राहक पूछताछ के साथ मांग को बढ़ते हुए देख रहे हैं। विशेषकर एसयूवी और एमयूवी मॉडलों में ज्यादा मांग आ रही है।

2024-25 में लक्ष्य से कम गेहूं खरीदेगी केंद्र सरकार

- फसल वर्ष 2023-24 में 11.4-11.5 करोड़ टन रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन की उम्मीद

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने 2024-25 रबी सीजन में गेहूं खरीद का लक्ष्य पिछले सीजन में गेहूं खरीद का लक्ष्य पिछले सीजन से घटा दिया है। सरकार ने 2024-25 रबी सीजन के लिए गेहूं खरीद का लक्ष्य तीन से 3.2 करोड़ टन तय किया है। सरकार के गेहूं खरीद के लक्ष्य को कुछ कम माना जा रहा है। कृषि मंत्रालय को फसल वर्ष 2023-24 जुलाई-जून में 11.4-11.5 करोड़ टन के रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन की उम्मीद है। इसके बावजूद सरकार द्वारा खरीद का लक्ष्य कम रखा गया है। साल 2002 में सरकार ने 4.4 करोड़ टन और साल 2023 में लगभग साढ़े तीन करोड़ टन खरीद का लक्ष्य तक किया था। पिछले वर्ष में 2.62 करोड़ टन की वास्तविक खरीद हुई थी। एफसीआई के गोदामों में गेहूं का स्टॉक न्यूनतम स्तर पर है। राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा की अध्यक्षता में राज्यों के खाद्य सचिवों की पिछले दिनों बैठक हुई थी। इसी बैठक में विचार-विमर्श के बाद गेहूं खरीद का लक्ष्य तय किया गया है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि विचार-विमर्श के बाद आगामी रबी सीजन 2024-25 के दौरान गेहूं की खरीद का अनुमान तीन से 3.2 करोड़ टन का तय किया गया है। गेहूं के अलावा, मंत्रालय ने चावल के मामले में रबी धान खरीद का लक्ष्य 90 लाख से एक करोड़ टन तय किया है। सरकार ने रबी मोटे अनाज, बाजरा (श्रीअन्न) के लिए 6,00,000 टन का खरीद लक्ष्य भी निर्धारित किया है। बैठक में केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से फसलों के विविधीकरण और आहार में पोषण बढ़ाने के लिए बाजरा की खरीद पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। सरकार ने 2023-24 के सत्र में 3.41 करोड़ टन के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 2.62 करोड़ टन गेहूं की खरीद की थी। 2022-23 में गेहूं की खरीद 4.44 करोड़ टन के लक्ष्य के मुकाबले केवल 1.88 करोड़ टन थी। उत्पादन में गिरावट के कारण खरीद कम रही थी। खाद्य सचिव ने हाल में कहा था कि पंजाब-हरियाणा सीमा पर किसानों के आंदोलन से खरीद परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ईवी स्टार्टअप फिस्कर कर्मचारियों की छंटनी करेगा

सैन फ्रांसिस्को । इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्टार्टअप फिस्कर अपने 15 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है। अपने तिमाही परिणामों की घोषणा करते हुए फिस्कर ने कहा कि निवेश व अन्य गतिविधियों के विकास के लिए एक बड़े वाहन निर्माता के साथ भी बातचीत जारी है। इसके अलावा फिस्कर का इरादा अपने कार्यबल में लगभग 15 प्रतिशत कमी करने का है। फिस्कर ने 2023 की चौथी तिमाही में 200.1 मिलियन डॉलर का कुल राजस्व हासिल किया, जो तीसरी तिमाही से 128.3 मिलियन डॉलर अधिक है। चेयरमैन और सीईओ हेनरिक फिस्कर ने कहा कि 2023 फिस्कर के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष था, इसमें आपूर्तिकर्ताओं के साथ देरी और अन्य मुद्दे शामिल थे। उन्होंने कहा कि एक ही समय में हमें उत्तरी अमेरिका और यूरोप में डायरेक्ट उपभोक्ता बिक्री मॉडल स्थापित करने में अप्रत्याशित बाधाओं का भी सामना करना पड़ा।

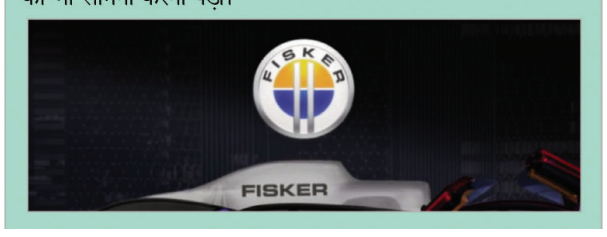

पावर ट्रांसमिशन विदेशी बांडों से जुटाएगी 400 मिलियन डॉलर

मुंबई । एशिया के दूसरे सबसे अमीर अरबपति गौतम अदाणी की पावर ट्रांसमिशन कंपनी अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड विदेशी बांडों से 400 मिलियन डॉलर जुटा सकती है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड द्वारा अमेरिकी करेंसी डील अगले तीन महीनों में होने की उम्मीद है। इसमें अदाणी की इंफास्ट्रक्चर एसेट्स (सब्सिडियरी कंपनियां) भी शामिल हो सकती है। गौरतलब है कि अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडबनर्ग रिसर्च की तरफ से जारी की गई रिपोर्ट के बाद से अदाणी ग्रुप की कंपनियों को काफी संकट का सामना करना पड़ा। इसके शेयरों में भारी गिरावट आई और कंपनियों की वैल्यूएशन भी लगातार गिरती गई। जिसके चलते इसे अपनी कंपनियों में कुछ हिस्सेदारी भी बेचनी पड़ी थी। लेकिन बाद में मार्केट रेगुलेटर सेबी की तरफ से जांच रिपोर्ट सौंपने के बाद अदाणी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली और ग्रुप की कंपनियों ने फिर से रफ्तार पकड़ना शुरू कर दिया। अब अगर अदाणी ग्रुप की सभी 10 कंपनियों को मिला दिया जाए तो इसके विदेशी लोन में भी सितंबर 2023 तक 61 फीसदी की कमी देखी गई।